ई-दृष्टि नवत्र प्रस्तुति

2021

पाठ्यक्रम क्रमांक 1-6 11 12

UPSSSC PET

परीक्षा संभावित सामग्री एवं प्रश्न-संग्रह

सामान्य ज्ञान 1

पांच भागों में प्रथम

विशेष

विगत परीक्षा प्रश्न-पत्रों के विश्लेषणोपरान्त पाठ्यक्रमानुसार तैयार संभाव्य सामग्री एवं प्रश्न-संग्रह

1 ❑ **भारतीय इतिहास** ● सिंधु घाटी की सभ्यता ● वैदिक संस्कृति ● बौद्ध धर्म : गौतम बुद्ध (जीवनी एवं शिक्षायें) ● जैन धर्म : महावीर (जीवनी एवं शिक्षायें) ● मौर्य वंश : सम्राट अशोक ● गुप्त वंश : समुद्र गुप्त, चन्द्र गुप्त द्वितीय ● हर्षवर्द्धन ● राजपूत काल ● सल्तनत काल ● मुगल साम्राज्य ● मराठा ● ब्रिटिश राज का अभ्युदय एवं प्रथम स्वतंत्रता संग्राम ● ब्रिटिश राज का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव

2 ❑ **भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन** ● स्वाधीनता आंदोलन के प्रारंभिक वर्ष ● स्वदेशी तथा सविनय अवज्ञा आंदोलन : महात्मा गांधी तथा अन्य नेताओं की भूमिका ● क्रांतिकारी आंदोलन तथा उग्र राष्ट्रवाद का उदय ● विधायी संशोधन तथा ब्रिटिश इंडिया एक्ट, 1935 ● भारत छोड़ो आंदोलन, आजाद हिंद फौज तथा नेता जी सुभाष चन्द्र बोस

3 ❑ **भूगोल** ● भारत एवं विश्व का भौतिक भूगोल ● नदियां तथा नदियों की घाटी ● भूजल संसाधन ● पर्वत, पहाड़ियां तथा हिमनद ● मरूस्थल और शुष्क क्षेत्र ● वन ● खनिज संसाधन (विशेषकर भारत में) ● भारत एवं विश्व का राजनैतिक भूगोल ● जलवायु तथा मौसम ● टाइम जोन ● जनसांख्यकीय परिवर्तन तथा प्रवास

4 ❑ **भारतीय अर्थव्यवस्था** ● भारतीय अर्थव्यवस्था (1947 से 1991 तक) ● योजना आयोग तथा पंचवर्षीय योजनायें ● मिश्रित अर्थव्यवस्था का विकास : निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र ● हरित क्रांति ● दुग्ध विकास एवं ऑपरेशन फ्लड ● बैंकों का राष्ट्रीयकरण तथा सुधार ● वर्ष 1991 में आर्थिक सुधार तथा उसके बाद की अर्थव्यवस्था ● वर्ष 2014 के पश्चात के आर्थिक सुधार ● कृषि सुधार, ● ढांचागत सुधार ● श्रम-सुधार ● आर्थिक सुधार ● जी.एस.टी.

5 ❑ **भारतीय संविधान एवं लोक प्रशासन** ● भारतीय संविधान (भारतीय संविधान की मुख्य विशेषतायें) ● राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांत ● मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य ● संसदीय प्रणाली ● संघीय प्रणाली, संघ एवं केंद्रशासित प्रदेश, केंद्र-राज्य संबंध ● न्यायिक ढांचा-सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय ● जिला प्रशासन ● स्थानीय निकाय तथा पंचायती राज संस्थायें

6 ❑ **सामान्य विज्ञान** ● प्रारंभिक भौतिक विज्ञान ● प्रारंभिक रसायन विज्ञान ● प्रारंभिक जीव विज्ञान

11 ❑ **सामयिकी** ● भारतीय एवं वैश्विक

12 ❑ **सामान्य जागरूकता** ● भारत के पड़ोसी देश ● देश, राजधानी एवं मुद्रा ● भारत के राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेश ● भारतीय संसद, राज्यसभा, लोकसभा और विधानसभा, विधान परिषद ● राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय दिवस ● विश्व संगठन एवं उनके मुख्यालय ● भारतीय पर्यटन स्थल ● भारत की कला एवं संस्कृति ● भारत एवं विश्व के खेल ● भारतीय अनुसंधान संगठन ● प्रसिद्ध पुस्तकें और लेखक ● पुरस्कार एवं विजेता ● जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण

-: प्रकाशक :-
सम-सामयिक घटना चक्र
188A/128, एलनगंज, चर्चलेन, प्रयागराज (इलाहाबाद)-211002
दूरभाष : 2465524, 2465525, 9335140296

मूल्य : 100/-

ई-दृष्टि नवत्र प्रस्तुति

संस्करण - 2021
मूल्य - 100/-

➢ **संपादकीय कार्यालय :**
ई-दृष्टि नवत्र
9/27A, चर्चलेन, प्रयागराज
(इलाहाबाद) - 211002
➢ **फोन :** 9696431507
➢ **ई-मेल :**
caedristi@gmail.com
➢ **वेबसाइट :**
www.edristi.in
➢ **संपर्क समय :**
प्रातः 12 से सायं 8 बजे तक
(सोमवार से शुक्रवार)

➢ © ई-दृष्टि नवत्र - किसी भी रूप में सामग्री की नकल प्रतिबंधित।

➢ सभी विवादों का निबटारा इलाहाबाद की सीमा में आने वाली सक्षम अदालतों और फोरम में किया जाएगा।

संकलन सहयोग-

➢ **सुधाकर तिवारी**
➢ **बालमुकुन्द तिवारी**
➢ **अभिषेक कुमार**
➢ **विनोद त्रिपाठी**
➢ **जितेन्द्र सिंह**
➢ **सूरज मिश्रा**
➢ **विक्की राज**

समारंभ

अधीनस्थ चयन आयोग (UPSSSC) आगामी 'प्रारंभिक अर्हता परीक्षण' (PET- Preliminary Eligibility Test) का पाठ्यक्रम कुल 15 भागों में विभाजित किया है। इसमें भाग 1 से 6 तक तथा भाग- 11 एवं 12 सामान्य ज्ञान से संबंधित हैं। इसी प्रकार अन्य भाग निम्नानुसार संबंधित हैं–

भाग– 7, 14 एवं 15 - प्रारंभिक अंकगणित
भाग– 8 एवं 13 सामान्य हिन्दी
भाग– 9 सामान्य अंग्रेजी
भाग– 10 तर्क एवं तर्कशक्ति

उपर्युक्त विभाजन के अनुरुप ही संपूर्ण पाठ्यक्रम को 5 भागों में विभाजित करके प्रस्तुत किया जा रहा है। इस प्रस्तुतीकरण में सामग्री के साथ परीक्षा संभाव्य प्रश्नकोश समाहित है। सभी प्रश्न विगत वर्षों में पूछे गये प्रश्नों पर ही आधारित हैं।

■■■

अनुक्रमणिका

1.	भारतीय इतिहास	3-11
	(महत्वपूर्ण परीक्षोपयोगी विषयनिष्ठ सामग्री)	
	परीक्षा विशेष स्मरणीय प्रश्नोत्तर	12-27
2.	भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन	28-32
	(महत्वपूर्ण परीक्षोपयोगी विषयनिष्ठ सामग्री)	
	परीक्षा विशेष स्मरणीय प्रश्नोत्तर	33-45
3.	भूगोल : भारत एवं विश्व	46-52
	(महत्वपूर्ण परीक्षोपयोगी विषयनिष्ठ सामग्री)	
	परीक्षा विशेष स्मरणीय प्रश्नोत्तर	53-71
4.	भारतीय अर्थव्यवस्था	72-75
	(महत्वपूर्ण परीक्षोपयोगी विषयनिष्ठ सामग्री)	
	परीक्षा विशेष स्मरणीय प्रश्नोत्तर	76-89
5.	भारतीय संविधान एवं लोक प्रशासन	90-96
	(महत्वपूर्ण परीक्षोपयोगी विषयनिष्ठ सामग्री)	
	परीक्षा विशेष स्मरणीय प्रश्नोत्तर	97-112
6.	सामान्य विज्ञान	113-118
	(भौतिक, रसायन एवं जीव विज्ञान)	
	परीक्षा विशेष स्मरणीय प्रश्नोत्तर	119-136
11.	सामयिकी	137-148
	(महत्वपूर्ण परीक्षोपयोगी विषयनिष्ठ सामग्री)	
	परीक्षा विशेष स्मरणीय प्रश्नोत्तर	149-169
12.	सामान्य जागरूकता	170-181
	(महत्वपूर्ण परीक्षोपयोगी विषयनिष्ठ सामग्री)	
	परीक्षा विशेष स्मरणीय प्रश्नोत्तर	182-200

क्रम संख्या 01

भारतीय इतिहास

(महत्वपूर्ण परीक्षोपयोगी विषयनिष्ठ सामग्री)

सिंधु घाटी की सभ्यता

- **सिंधु घाटी सभ्यता** नगरीय थी, जबकि **वैदिक सभ्यता** ग्रामीण थी।
- पुरातात्विक खुदाई **हड़प्पा संस्कृति** की जानकारी का प्रमुख स्रोत है।
- हड़प्पावासियों को **तांबा, कांसा, स्वर्ण और चांदी की** जानकारी थी।
- प्रारंभिक हड़प्पा सभ्यता में **पैर से चालित चाक का प्रयोग** किया जाता था।
- परिपक्व हड़प्पा के दौर में **हाथ से चालित चाकों का प्रयोग** किया जाने लगा था।
- **मूर्ति पूजा का प्रारंभ** पूर्व आर्य काल से माना जाता है।
- हड़प्पा संस्कृति की **मुहरों** एवं **टेराकोटा** कलाकृतियों में गाय का चित्रण नहीं मिलता जबकि हाथी, गैंडा, बाघ, हिरण, भेड़ा आदि का अंकन मिलता है।
- हड़प्पा सभ्यता के स्थलों में से खंभात की खाड़ी के निकट स्थित **लोथल से गोदीबाड़ा के साक्ष्य** मिले हैं।
- राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में घग्घर नदी के किनारे स्थित कालीबंगा से **जुते हुए खेत के साक्ष्य** मिले हैं।

सैंधव सभ्यता के स्थल एवं उत्खनन/खोजकर्ता

प्रमुख स्थल	उत्खननकर्ता/खोजकर्ता	वर्ष
हड़प्पा	दयाराम साहनी	1921
मोहनजोदड़ो	राखालदास बनर्जी	1922
रोपड़	यज्ञदत्त शर्मा	1953-55
लोथल	एस. आर. राव	1954-55
कालीबंगा	बी.बी. लाल	1961-69
रंगपुर	एम. एस. वत्स	1934-35
चन्हूदड़ो	एन. जी. मजूमदार	1931
सुरकोटदा	जे. पी. जोशी	1964
बनावली	आर. एस. विष्ट	1974-77
आलमगीरपुर	यज्ञदत्त शर्मा	1958
कोटदीजी	फजल अहमद खां	1957-58
सुत्कागेनडोर	ऑरेल स्टाइन	1927
माण्डा	जे.पी. जोशी	1982
बालाकोट	जॉर्ज एफ. डेल्स	1973-76
धौलावीरा	जे.पी. जोशी	1967-68
मिताथल	सूरजभान	1968
राखीगढ़ी	सूरजभान	1969

- गुजरात के **धौलावीरा** से हड़प्पा लिपि के बड़े आकार के **10 चिह्नों वाला एक शिलालेख** मिला है।
- हरियाणा के फतेहाबाद जिले में स्थित **बनावली** से पकी मिट्टी की बनी हुई हल की प्रतिकृति मिली है।
- सैंधव सभ्यता के **महान स्नानागार के साक्ष्य मोहनजोदड़ो** से प्राप्त हुए हैं।
- सैंधव सभ्यता **कांस्ययुगीन सभ्यता** थी तथा यहां के लोग लोहे से परिचित नहीं थे।
- **राखीगढ़ी** हरियाणा के हिसार जिले में **घग्घर नदी** पर स्थित है।
- राखीगढ़ी स्थल की **खोज वर्ष 1969 में सूरजभान** ने की थी।
- **मोहनजोदड़ो** तथा **चन्हूदड़ो** दोनों सिंध प्रांत में तथा **सुरकोटदा** गुजरात में स्थित हैं।
- रंगपुर गुजरात के काठियावाड़ प्रायद्वीप में **मादर नदी** के पास स्थित है।

वैदिक संस्कृति

- आर्य संस्कृत भाषा का शब्द है, जिसका शाब्दिक अर्थ '**श्रेष्ठ**' या '**कुलीन**' है।
- **क्लासिकीय संस्कृति में 'आर्य' शब्द का अर्थ है-** एक उत्तम व्यक्ति।
- वेद **चार** हैं–ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद तथा अथर्ववेद।
- वेदों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण **ऋग्वेद** है तथा इसे **सर्वाधिक प्राचीन** भी माना जाता है।
- ऋग्वेद, यजुर्वेद तथा सामवेद को '**वेदत्रयी**' या '**त्रयी**' कहा जाता है।
- 'वर्ण' शब्द का सर्वप्रथम उल्लेख **ऋग्वेद** में मिलता है।
- प्रारंभ में हम तीन वर्णों का उल्लेख पाते हैं–**ब्रह्म, क्षत्र तथा विश**।
- ऋग्वेद के दसवें मंडल के पुरुषसूक्त में सर्वप्रथम '**शूद्र**' शब्द मिलता है।
- यहां चारों वर्णों की उत्पत्ति एक '**विराट पुरुष**' के विभिन्न अंगों से बताई गई है।
- अथर्ववेद **ओषधियों** से संबंधित है।
- ऋग्वेद में **ईश्वर महिमा** (देवताओं की स्तुति), यजुर्वेद में **कर्मकांड** (बलिदान विधि) एवं सामवेद में **संगीत** का विस्तृत उल्लेख है।
- ऋग्वेद में स्तोत्र एवं प्रार्थनाएं हैं, इसमें कुल **1028 सूक्त** हैं।

बौद्ध धर्म : गौतम बुद्ध (जीवनी एवं शिक्षाएँ)

- गौतम बुद्ध का जन्म कपिलवस्तु के निकट **लुम्बिनी में 563 ई. पू.** में हुआ था।
- बुद्ध के पिता **शुद्धोधन** शाक्यगण के प्रधान थे तथा माता **माया देवी** कोलिय गणराज्य (कोलिय वंश) की कन्या थीं।
- गौतम बुद्ध बचपन में **सिद्धार्थ** के नाम से जाने जाते थे।
- 29 वर्ष की अवस्था में उन्होंने गृह त्याग दिया, जिसे बौद्ध ग्रंथों में **महाभिनिष्क्रमण** की संज्ञा दी गई।
- मौर्य वंशीय शासक अशोक के **रुम्मिनदेई अभिलेख** से सूचना मिलती है कि शाक्यमुनि बुद्ध का जन्म लुम्बिनी में हुआ था।
- महात्मा बुद्ध ने अपना **पहला उपदेश सारनाथ** में दिया इस प्रथम उपदेश को **'धर्मचक्रप्रवर्तन'** कहा जाता है।
- महात्मा बुद्ध ने **मल्ल गणराज्य की राजधानी कुशीनारा** में 483 ई.पू. में 80 वर्ष की अवस्था में शरीर त्याग दिया।
- बौद्ध ग्रंथों में इसे '**महापरिनिर्वाण**' कहा जाता है।
- छः वर्षों की कठिन साधना के पश्चात 35 वर्ष की अवस्था में वैशाख पूर्णिमा की रात्रि को एक **पीपल के वृक्ष** के नीचे गौतम को ज्ञान प्राप्त हुआ।
- 'ज्ञान' प्राप्ति के बाद यह '**बुद्ध**' कहलाए।
- बुद्ध के सबसे अधिक शिष्य **कोसल** राज्य में हुए थे।
- महात्मा बुद्ध **वत्सराज उदयन** के शासनकाल में कौशाम्बी आए थे।
- **प्रथम बौद्ध संगीति** (प्रथम बौद्ध परिषद) बुद्ध की मृत्यु के तत्काल बाद राजगृह की सप्तपर्णि गुफा में हुई।
- **अजातशत्रु** महात्मा बुद्ध के समकालीन शासक थे।
- प्रथम बौद्ध संगीति की **अध्यक्षता महाकस्सप** (या महाकश्यप) ने की।
- **द्वितीय बौद्ध संगीति** का आयोजन कालाशोक (शिशुनाग वंशी) के शासनकाल में बुद्ध की मृत्यु के 100 वर्ष बाद वैशाली में किया गया।
- **तृतीय बौद्ध संगीति** मौर्य सम्राट अशोक के शासनकाल में पाटलिपुत्र में हुई थी।
- **मोग्गलिपुत्त तिस्स** तृतीय बौद्ध संगीति के अध्यक्ष थे।
- **चतुर्थ बौद्ध संगीति** कनिष्क के शासनकाल में कुंडलवन (कश्मीर) में संपन्न हुई।
- इसकी अध्यक्षता **वसुमित्र** एवं उपाध्यक्षता **अश्वघोष** ने की।
- **देवदत्त**, बुद्ध का चचेरा भाई था।
- **देवदत्त** पहले उनका अनुगत बना और फिर उनका विरोधी बन गया।
- सर्वप्रथम **बुद्ध** ने जिन चार आर्य सत्यों का उपदेश दिया, वे इस प्रकार हैं - दुःख, दुःख समुदाय, दुःख निरोध तथा दुःख निरोधगामिनी प्रतिपदा।

बुद्ध के जीवन से संबद्ध प्रतीक

घटना	प्रतीक
जन्म	कमल व सांड
गृहत्याग	घोड़ा
ज्ञान	पीपल (बोधिवृक्ष)
निर्वाण	पद चिह्न
मृत्यु	स्तूप

- महात्मा बुद्ध **कर्म सिद्धांत** में विश्वास करते थे।
- अपने प्रिय शिष्य आनंद के कहने पर बुद्ध ने **वैशाली में स्त्रियों को बौद्ध संघ में भिक्षुणी के रूप में प्रवेश की अनुमति** प्रदान की थी।
- बौद्ध संघ में सर्वप्रथम शामिल होने वाली स्त्री **महाप्रजापति गौतमी** थीं।
- **'त्रिपिटक'** बौद्ध ग्रंथों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।
- बुद्ध की मृत्यु के बाद उनकी शिक्षाओं को संकलित कर तीन भागों में बांटा गया, इन्हीं को त्रिपिटक कहते हैं। ये हैं- **विनय पिटक** (संघ संबंधी नियम तथा आचार की शिक्षाएं), **सुत्त पिटक** (धार्मिक सिद्धांत) तथा **अभिधम्म पिटक** (दार्शनिक सिद्धांत)।
- **थेरीगाथा बौद्ध साहित्य** है, इसमें 32 बौद्ध कवयित्रियों की कविताएं संकलित हैं।
- बिहार में राजगीर की पहाड़ियों (400 मीटर की ऊंचाई) पर स्थित '**शांति स्तूप**' विश्व का सबसे ऊंचा कहा जाने वाला '**विश्व शांति स्तूप**' है।
- **भरहुत** एवं **सांची के स्तूप** की स्थापना मौर्य शासक अशोक के शासनकाल में हुई थी।
- **अमरावती स्तूप** का निर्माण सातवाहन के समय में हुआ था।
- सातवाहनों की राजधानी प्रतिष्ठान या पैठन थी। इनकी प्रारंभिक राजधानी **अमरावती** मानी जाती है।
- **महास्तूप** का निर्माण अशोक के समय में ईंटों की सहायता से हुआ था, जिसके चारों ओर काष्ठ की वेदिका बनी थी।
- शुंग काल में उसे **पाषाण पट्टिकाओं** से जड़ा गया तथा वेदिका भी पत्थर की ही बनाई गई।
- सातवाहन युग में वेदिका के चारों दिशाओं में **चार तोरण** लगा दिए गए।
- बौद्ध दर्शन में **क्षणिकवाद** को स्वीकार किया गया है।
- गौतम बुद्ध को '**एशिया के ज्योति पुंज**' के तौर पर जाना जाता है।
- गौतम बुद्ध के जीवन पर एडविन अर्नाल्ड ने **'Light of Asia'** नामक काव्य पुस्तक की रचना की थी। यह लंदन में 1879 ई. में प्रकाशित हुई थी।
- 'Light of Asia' पुस्तक **ललितविस्तार** के विषय-वस्तु पर आधारित है।
- कुषाण काल में ही **गांधार** एवं **मथुरा कला शैली** के तहत बुद्ध एवं बोधिसत्वों की बहुसंख्यक मूर्तियों का (बैठी एवं खड़ी स्थिति में) निर्माण हुआ।
- **भूमिस्पर्श मुद्रा** की सारनाथ की बुद्ध मूर्ति गुप्तकाल से संबंधित है।

- बौद्ध ग्रंथ अंगुत्तर निकाय में वर्णित **षोडश महाजनपदों** में से 'मल्ल' एक महाजनपद था।
- **नागार्जुन** कनिष्क के दरबार की एक महान विभूति था। उसकी तुलना मार्टिन लूथर से की जाती है।
- कनिष्क के दरबार में **वसुमित्र, अश्वघोष, चरक** भी थे।
- **ह्वेनसांग** ने उसे 'संसार की चार मार्गदर्शक शक्तियों में से एक' कहा है।

जैन धर्म : महावीर (जीवनी एवं शिक्षाएं)

- जैन धर्म के मूल संस्थापक या प्रवर्तक **प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव** या **आदिनाथ** माने जाते हैं।
- **पार्श्वनाथ** जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर थे, जिनका जन्म वाराणसी में महावीर स्वामी से 250 वर्ष पहले 850 ई. पू. में हुआ था।
- **महावीर स्वामी** का जन्म कुंडग्राम या कुंडलपुर में (वैशाली के निकट) लगभग 599 ई.पू. में हुआ था।
- महावीर की **माता त्रिशला** वैशाली के लिच्छवि गणराज्य के प्रमुख चेटक की बहन थीं तथा पिता सिद्धार्थ ज्ञातृक क्षत्रियों के संघ के प्रधान थे, उनके बड़े भाई नंदिवर्धन थे।
- भगवान महावीर की पत्नी का नाम **यशोदा** था, उनसे **प्रियदर्शना** नामक एक पुत्री उत्पन्न हुई।
- प्रियदर्शना का विवाह **जमालि** नाम के क्षत्रिय से हुआ था, जो बाद में महावीर स्वामी का अनुयायी बन गया।
- **जमालि** उनका प्रथम शिष्य था।
- **प्रभासगिरि** उ.प्र. के कौशाम्बी में स्थित जैन तीर्थस्थल है।
- कौशाम्बी का प्रभासगिरि स्थल छठवें जैन तीर्थंकर **पद्मप्रभु** से संबंधित है।
- जैन धर्म में 'पूर्ण ज्ञान' के लिए **कैवल्य** शब्द का प्रयोग किया गया है।

प्रमुख जैन तीर्थंकर और उनके प्रतीक चिह्न	
जैन तीर्थंकर के नाम	**प्रतीक चिह्न**
ऋषभदेव (पहले)	बैल
अजितनाथ (दूसरे)	हाथी
अरिष्टनेमि (बाइसवें)	शंख
पार्श्वनाथ (तेइसवें)	सर्प
महावीर (चौबीसवें)	सिंह

मौर्य वंश (सम्राट अशोक)

- **269 ई.पू.** के लगभग अशोक का राज्याभिषेक हुआ।
- अशोक के अभिलेखों में सर्वत्र उसे **'देवनामपिय', 'देवानां पियदसि'** कहा गया है जिसका अर्थ है–देवताओं का प्रिय या देखने में सुंदर। पुराणों में उसे **'अशोकवर्द्धन'** कहा गया है।
- **दशरथ** भी अशोक की तरह 'देवनामपिय' की उपाधि धारण करता था।
- अशोक के अभिलेखों में **'रज्जुक'** नामक अधिकारी का उल्लेख मिलता है।
- **रज्जुकों** की स्थिति आधुनिक जिलाधिकारी जैसी थी, जिसे राजस्व तथा न्याय दोनों क्षेत्रों में अधिकार प्राप्त थे।
- मौर्यकाल में व्यापारिक काफिलों (कारवां) को **सार्थवाह** की संज्ञा दी गई थी।
- **सारनाथ स्तंभ** का निर्माण अशोक ने कराया था।
- बौद्ध धर्म ग्रहण करने के उपरांत **अशोक** ने आखेट तथा विहार यात्राएं रोक दीं तथा उनके स्थान पर धर्म यात्राएं प्रारंभ कीं।
- इतिहासकार विंसेट ऑर्थर स्मिथ ने अपनी पुस्तक इंडियन लीजेंड ऑफ अशोक में साहित्यिक साक्ष्यों के आधार पर उपगुप्त के साथ अशोक की धम्म यात्राओं का क्रम इस प्रकार दिया है- लुम्बिनी, कपिलवस्तु, बोधगया, सारनाथ, कुशीनगर और श्रावस्ती।
- कालसी, गिरनार और मेरठ के अभिलेख **ब्राह्मी लिपि** में हैं।
- अशोक के अभिलेखों का विभाजन 3 वर्गों में किया जा सकता है– (1) **शिलालेख,** (2) **स्तंभलेख तथा** (3) **गुहालेख**।
- **शिलालेख 14** विभिन्न लेखों का एक समूह है, जो आठ भिन्न-भिन्न स्थानों से प्राप्त किए गए हैं।
- अशोक के अधिकांश अभिलेख **प्राकृत भाषा** एवं **ब्राह्मी लिपि** में लिखे गए हैं, केवल दो अभिलेखों-शाहबाजगढ़ी एवं मानसेहरा की लिपि ब्राह्मी न होकर **खरोष्ठी** है।
- तक्षशिला से **आरमेइक लिपि** में लिखा गया एक भग्न अभिलेख, शरेकुना नामक स्थान से यूनानी तथा आरमेइक लिपियों में लिखा गया द्विभाषीय यूनानी एवं सीरियाई भाषा अभिलेख तथा लंघमान नामक स्थान से आरमेइक लिपि में लिखा गया अशोक का अभिलेख प्राप्त हुआ है।
- **जेम्स प्रिंसेप** को अशोक के अभिलेखों को पढ़ने का श्रेय हासिल किया।
- प्राचीन भारत में **खरोष्ठी लिपि** दाएं से बाएं लिखी जाती थी।
- अशोक ने अपने राज्याभिषेक के बीसवें वर्ष **लुम्बिनी की यात्रा** की।

अशोक के शिलालेख		
प्रथम शिलालेख	–	पशुबलि की निंदा
दूसरा शिलालेख	–	मनुष्य एवं पशु की चिकित्सा
तीसरा शिलालेख	–	अधिकारियों का पांचवें वर्ष दौरा
पांचवां शिलालेख	–	धर्म-महामात्रों की नियुक्ति
छठां शिलालेख	–	आत्म-नियंत्रण की शिक्षा
ग्यारहवां शिलालेख	–	धम्म की व्याख्या
तेरहवां शिलालेख	–	कलिंग युद्ध का वर्णन

प्रांत	राजधानी
उत्तरापथ	तक्षशिला
अवंतिरट्ठ	उज्जयिनी
कलिंग	तोसली
दक्षिणापथ	सुवर्णगिरि
प्राच्य या पूर्वी प्रदेश	पाटलिपुत्र

- **अशोक** ने बुद्ध की जन्मभूमि होने के कारण लुम्बिनी ग्राम का धार्मिक कर माफ कर दिया तथा भू-राजस्व 1/6 से घटाकर 1/8 कर दिया।
- अशोक के **तेरहवें (XIII) शिलालेख** से कलिंग युद्ध के संदर्भ में स्पष्ट साक्ष्य मिलते हैं।
- अशोक के **दीर्घ शिलालेख XII** में सभी संप्रदायों के सार की वृद्धि होने की कामना की गई है तथा धार्मिक सहिष्णुता हेतु उपाय बताए गए हैं।
- अशोक के **दूसरे (II) एवं तेरहवें (XIII) शिलालेख** में संगम राज्यों–चोल,पाण्ड्य, सतियपुत्त एवं केरलपुत्त सहित ताम्रपर्णी (श्रीलंका) की सूचना मिलती है।
- मौर्य शासक अशोक के **तेरहवें शिलालेख** से यह ज्ञात होता है कि अशोक के पांच यवन राजाओं के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध थे- जिनमें अंतियोक (एंटियोकस-II थियोस- सीरिया का शासक), तुरमय या तुरमाय (टालेमी II फिलाडेल्फस-मिस्र का राजा), अंतकिनी (एंटीगोनस गोनातास- मेसीडोनिया या मकदूनिया का राजा), मग (साइरीन का शासक), अलिक सुंदर (एलेक्जेंडर-एपाइरस या एपीरस का राजा)।

गुप्त वंश : समुद्रगुप्त, चन्द्रगुप्त द्वितीय

- **गुप्त वंश** ने 275-550 ई. तक शासन किया। इस वंश की स्थापना लगभग 275ई. में महाराज श्रीगुप्त द्वारा की गई थी।
- गुप्त वंश का प्रथम शक्तिशाली शासक **चंद्रगुप्त I** था, जिसने 319-335 ई. तक शासन किया।
- चंद्रगुप्त I ने अपनी महत्ता सूचित करने के लिए अपने पूर्वजों के विपरीत **'महाराजाधिराज'** की उपाधि धारण की।
- वाकाटक शासक प्रवरसेन प्रथम ने **चार अश्वमेध** यज्ञों का संपादन किया।
- कन्नौज को **'महोदया', 'महोदयाश्री'** आदि नामों से अभिव्यक्त किया गया है।
- इतिहासकार **विंसेंट स्मिथ** ने अपनी रचना 'अर्ली हिस्ट्री ऑफ इंडिया' में समुद्रगुप्त की वीरता एवं विजयों पर मुग्ध होकर उसे **'भारतीय नेपोलियन'** की संज्ञा दी है।
- **इलाहाबाद का अशोक स्तंभ अभिलेख** समुद्रगुप्त (335-375 ई.) के शासन के बारे में सूचना प्रदान करता है।
- इलाहाबाद स्तंभ पर समुद्रगुप्त के संधि विग्रहिक **हरिषेण** ने संस्कृत भाषा में प्रशंसात्मक वर्णन प्रस्तुत किया है, जिसे **'प्रयाग प्रशस्ति'** कहा गया है।
- चंद्रगुप्त द्वितीय 'विक्रमादित्य' वह प्रथम गुप्त शासक था, जिसने **'परम भागवत'** की उपाधि धारण की थी।
- गुप्त सम्राट चंद्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य को **'शक विजेता'** कहा गया है।
- पश्चिम भारत के अंतिम शक राजा **रुद्रसिंह III** को चंद्रगुप्त द्वितीय 'विक्रमादित्य' ने पांचवीं सदी के प्रथम दशक में परास्त कर पश्चिमी भारत में शक सत्ता का उन्मूलन किया था।
- शकों को हराने के कारण चंद्रगुप्त विक्रमादित्य की एक अन्य उपाधि **'शकारि'** भी है।
- चंद्रगुप्त ने इस उपलक्ष्य में **चांदी के सिक्के** भी चलाए।
- हूणों का पहला भारतीय आक्रमण गुप्त सम्राट **स्कंदगुप्त के शासनकाल में** हुआ तथा स्कंदगुप्त के हाथों वे बुरी तरह परास्त हुए।
- गुप्तकाल में बंगाल में **ताम्रलिप्ति** एक प्रमुख बंदरगाह था, जहां से उत्तर भारतीय व्यापार एवं साथ ही दक्षिण-पूर्व एशिया, चीन, लंका, जावा, सुमात्रा आदि देशों के साथ व्यापार होता था।
- गुप्तकाल में गुजरात, बंगाल, दक्कन एवं तमिलनाडु **वस्त्र उत्पादन के लिए** प्रसिद्ध थे।
- धन्वंतरि चंद्रगुप्त II विक्रमादित्य के नवरत्नों में से एक थे, ये आयुर्वेद शास्त्र के प्रकांड पंडित थे।
- चरक कनिष्क के **राजवैद्य** थे, जिन्होंने **'चरक संहिता'** की रचना की थी।
- **भास्कराचार्य** प्रख्यात खगोलज्ञ एवं गणितज्ञ थे। उन्होंने **'सिद्धांत शिरोमणि'** तथा **'लीलावती'** नामक ग्रंथों की रचना की।
- गुप्तकाल में **स्वर्ण मुद्रा को दीनार** कहा जाता था।
- चीनी यात्री **फाह्यान** के अनुसार लोग दैनिक क्रय-विक्रय में कौड़ियों का प्रयोग करते थे।
- सती प्रथा का प्रथम अभिलेखिक साक्ष्य **एरण** से प्राप्त हुआ है।
- एरण अभिलेख 510 ई. का है, जिसमें गोपराज नामक सेनापति की **स्त्री के सती होने का उल्लेख** है।
- **गुप्त संवत्** का प्रवर्तक चंद्रगुप्त प्रथम था।
- गुप्त संवत् की तिथि **319 ई.** है।
- गुप्त वंश के शासकों ने **मंदिरों** एवं **ब्राह्मणों** को सबसे अधिक ग्राम अनुदान में दिए थे।
- गुप्तकाल में कला एवं साहित्य में हुई प्रगति के आधार पर इस काल को प्राचीन भारत का **'स्वर्ण युग'** कहा जाता है।

राजपूत काल एवं हर्षवर्द्धन

- **महाबलिपुरम** में रथ मंदिरों का निर्माण पल्लव शासकों द्वारा करवाया गया था।
- पल्लवकालीन **मामल्ल शैली** में बने रथों या एकाश्मक मंदिरों में द्रौपदी रथ सबसे छोटा है।
- राष्ट्रकूट वंश की राजधानी **मान्यखेट** थी।

- होयसलों की राजधानी **द्वारसमुद्र** थी।
- पालवंशी शासक **देवपाल** बौद्ध मतानुयायी था। लेखों में उसे 'परम सौगत' कहा गया है।
- **देवपाल** ने जावा के शैलेंद्रवंशी शासक बालपुत्रदेव के अनुरोध पर उसे नालंदा में एक बौद्ध विहार बनवाने के लिए पांच गांव दान में दिए थे।
- **जेजाकभुक्ति** बुंदेलखंड का प्राचीन नाम था।
- **धर्मपाल** ने विक्रमशिला तथा सोमपुरी (पहाड़पुर) में प्रसिद्ध विहारों की स्थापना की थी।
- प्रतिहार वंश का महानतम शासक **मिहिरभोज** था। इसका शासनकाल 836-885 ई. था।
- हर्ष ने अपनी राजधानी **थानेश्वर से कन्नौज** स्थानांतरित की।
- हर्ष के समय प्रति पांचवें वर्ष प्रयाग के संगम क्षेत्र में एक समारोह का आयोजन किया जाता था, जिसे **'महामोक्ष परिषद'** कहा गया है।
- **ह्वेनसांग** स्वयं छठें समारोह में उपस्थित था।
- हर्षवर्धन के समय की सर्वप्रमुख घटना चीनी यात्री **ह्वेनसांग** के भारत आगमन की है।
- अपनी भारत यात्रा के ऊपर उसने एक ग्रंथ लिखा जिसे **'सी-यू-की'** कहा जाता है। इसने भीनमाल की भी यात्रा की थी।
- ह्वेनसांग को **'यात्रियों का राजकुमार'** कहा जाता है।
- 637 ई. में ह्वेनसांग नालंदा विश्वविद्यालय गया। इस समय यहां के कुलपति **आचार्य शीलभद्र** थे।
- ह्वेनसांग के अनुसार, **मथुरा** उस समय **सूती वस्त्रों के लिए** प्रसिद्ध था, जबकि **वाराणसी रेशमी वस्त्रों के लिए** प्रसिद्ध था।
- प्राचीनकालीन चीनी लेखकों ने भारत का उल्लेख **'यिन-तु'** (Yin-tu) तथा **'थिआन-तु'** (Thian-tu) नाम से किया है।
- **नालंदा विश्वविद्यालय** को यूनेस्को ने विश्व धरोहर सूची में शामिल किया है।
- नालंदा विश्वविद्यालय **बख्तियार खिलजी** के अधीन तुर्क मुस्लिम आक्रमणकारियों द्वारा **1193 ई.** में नष्ट किया गया था।

प्रमुख लेखक एवं उनकी रचनाएं

लेखक	रचनाएं
सर्ववर्मा	कातंत्र
भारवि	किरातार्जुनीयम्
राजशेखर	कर्पूरमंजरी
चंदबरदाई	पृथ्वीराज रासो
विशाखदत्त	देवी चंद्रगुप्तम
जयानक	पृथ्वीराज विजय
सारंगदेव	हमीर रासो
विल्हण	विक्रमांकदेवचरित

- **बोरोबुदुर** का प्रख्यात स्तूप इंडोनेशिया के जावा द्वीप पर स्थित है।
- बोरोबुदुर एक यूनेस्को द्वारा मान्य **'विश्व विरासत स्थल'** (World Heritage Site) है।
- **पाण्ड्यों** के राज्यकाल में द्रविड़ शैली में मंदिरों का निर्माण हुआ।
- हर्ष को संस्कृत के तीन नाटक ग्रंथों का रचयिता माना जाता है– **प्रियदर्शिका**, **रत्नावली** तथा **नागानंद**।
- जयदेव ने हर्ष को भास, कालिदास, बाण, मयूर आदि कवियों की समकक्षता में रखते हुए उसे **कविताकामिनी का साक्षात हर्ष** निरूपित किया है।

सल्तनत काल

- 'मक्का' सऊदी अरब में स्थित है, यहीं पर 570 ई. में इस्लाम धर्म के प्रवर्तक **हजरत मुहम्मद का जन्म** हुआ था।
- मुहम्मद साहब मक्का से मदीना **622 ई.** में प्रस्थान किए थे।
- **हिजरी संवत्** का प्रारंभ 622 ई. में हुआ था।
- मुहम्मद साहब की **मृत्यु 632 ई.** में हुई थी।
- फारसी ग्रंथ **'चचनामा'** से अरबों द्वारा सिंध विजय की जानकारी मिलती है।
- 999 से 1027 ई. के बीच **महमूद गजनी** (या गजनवी) ने भारत पर 17 बार आक्रमण किए।
- महमूद गजनवी का दरबारी इतिहासकार **उत्बी** था।
- उसने **'किताब-उल-यामिनी'** अथवा **'तारीख-ए-यामिनी'** नामक ग्रंथ की रचना की।
- **शाहनामा** का लेखक फिरदौसी है यह महमूद गजनवी के दरबार का प्रसिद्ध विद्वान कवि था।

सल्तनतकालीन प्रमुख भवन

भवन	निर्माता	स्थल
कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद	कुतुबुद्दीन ऐबक	दिल्ली
कुतुबमीनार का निर्माण	कुतुबुद्दीन ऐबक	दिल्ली
अढ़ाई दिन का झोपड़ा	कुतुबुद्दीन ऐबक	अजमेर
अतारकिन का दरवाजा	इल्तुतमिश	नागौर
इल्तुतमिश का मकबरा	इल्तुतमिश	दिल्ली
सीरी का किला	अलाउद्दीन खिलजी	दिल्ली
अलाई दरवाजा	अलाउद्दीन खिलजी	दिल्ली
गयासुद्दीन का मकबरा	गियासुद्दीन तुगलक	दिल्ली
आदिलाबाद का किला	मुहम्मद तुगलक	दिल्ली
जहांपनाह नगर	मुहम्मद तुगलक	दिल्ली
अदीना मस्जिद	सिकंदर शाह (बंगाल)	पांडुआ
चांद मीनार (चार मीनार)	कुली कुतुबशाह	हैदराबाद
विजय स्तंभ	राणा कुम्भा	चित्तौड़

- **फिरदौसी** को पूर्व के होमर की उपाधि दी जाती है।
- पुराणों का अध्ययन करने वाला प्रथम मुसलमान **अलबरूनी** था।
- अलबरूनी ने अरबी भाषा में **'तहकीक-ए-हिंद'** की रचना की थी।
- शिहाबुद्दीन मुहम्मद गोरी का **प्रथम आक्रमण 1175 ई. में मुल्तान पर** हुआ।
- 1191 ई. में पृथ्वीराज चौहान और गोरी के मध्य **तराइन का प्रथम युद्ध** हुआ। इस युद्ध में शिहाबुद्दीन की सेना के दोनों **पार्श्व** परास्त हो गए।
- 1192 ई. में **तराइन के द्वितीय युद्ध** में मुहम्मद गोरी द्वारा पृथ्वीराज चौहान की पराजय के बाद भारत में मुस्लिम शक्ति की स्थापना हुई।
- 1194 ई. में **चंदावर के युद्ध** में मुहम्मद गोरी ने कन्नौज के गहड़वाल राजा जयचंद को पराजित किया था।
- मुहम्मद गोरी के सिक्कों पर **देवी लक्ष्मी की आकृति** बनी है और **दूसरे तरफ कलमा** (अरबी में) खुदा हुआ है।
- 1206 से 1290 ई. तक दिल्ली सल्तनत के सुल्तान **गुलाम वंश के सुल्तानों** के नाम से विख्यात हुए।
- भारत में गुलाम वंश का प्रथम शासक **कुतुबुद्दीन ऐबक** (1206-10 ई.) था।
- ऐबक की राजधानी **लाहौर** थी।
- ऐबक ने कभी **'सुल्तान'** की उपाधि धारण नहीं की।
- उसने केवल **'मलिक'** और **'सिपहसालार'** की पदवियों से ही अपने को संतुष्ट रखा।
- अपनी उदारता के कारण कुतुबुद्दीन ऐबक इतना अधिक दान करता था कि उसे **'लाख बख्श'** के नाम से पुकारा गया।
- दिल्ली का **पहला सुल्तान इल्तुतमिश** था।
- खलीफा ने 1229 ई. में इल्तुतमिश के शासन की पुष्टि उन सारे क्षेत्रों में कर दी, जो उसने विजित किया और उसे **'सुल्तान-ए-आजम'** की उपाधि प्रदान की।
- सल्तनत युग के दो महत्वपूर्ण सिक्के **चांदी का टंका** (175 ग्रेन) और **तांबे का जीतल** इल्तुतमिश ने आरंभ किए तथा सिक्कों पर टकसाल का नाम लिखवाने की परंपरा शुरू की।
- मंगोल नेता **चंगेज खां** भारत की उत्तर-पश्चिम सीमा पर इल्तुतमिश के शासनकाल में आया था।
- मध्यकालीन भारत की प्रथम महिला शासिका **रजिया सुल्तान** (1236-40) थीं।
- सुल्तान बलबन का पूरा नाम **गयासुद्दीन बलबन** था।
- बलबन के विषय में कहा गया है कि उसने **'रक्त और लौह'** की नीति अपनाई थी।
- **बलबन** ने फारस के लोक-प्रचलित वीरों से प्रेरणा लेकर अपना राजनीतिक आदर्श निर्मित किया था।
- राजा को धरती पर ईश्वर का प्रतिनिधि **'नियामत-ए-खुदाई'** माना गया।
- उसके अनुसार **मान-मर्यादा** में वह केवल पैगंबर के बाद है।
- राजा **'जिल्ले अल्लाह'** या **'जिल्ले इलाही'** अर्थात **'ईश्वर का प्रतिबिंब'** है।
- **बलबन** ने ईरानी बादशाहों की कई परंपराओं को अपने दरबार में आरंभ किया।
- बलबन ने **सिजदा** (भूमि पर लेटकर अभिवादन करना) और **पाबोस** (सुल्तान के चरणों को चूमना) की रीतियां आरंभ कीं।
- बलबन ने अपने दरबार में प्रतिवर्ष फारसी त्यौहार **'नौरोज'** बड़ी शानो-शौकत के साथ मनाने की प्रथा आरंभ की।
- **अलाउद्दीन दिल्ली** का पहला सुल्तान था, जिसने धर्म पर राज्य का नियंत्रण स्थापित किया।
- उसने अपने आपको **'यामिन-उल-खिलाफत नासिरी अमीर-उल-मुमनिन'** बताया।
- अलाउद्दीन खिलजी ने **'सिकंदर द्वितीय सानी'** की उपाधि धारण की और उसे अपने सिक्कों पर अंकित करवाया।
- **पद्मिनी**, राणा रतन सिंह की पत्नी थीं।
- पद्मिनी की कहानी का आधार 1540 ई. में मलिक मुहम्मद जायसी द्वारा लिखित काव्य-पुस्तक **'पद्मावत'** है।
- अलाउद्दीन के आक्रमण के समय **देवगिरि का शासक रामचंद्रदेव** था।
- **मलिक काफूर** को अलाउद्दीन ने अपनी गुजरात विजय के दौरान प्राप्त किया था।
- मलिक काफूर को **'हजार-दीनारी'** भी कहा जाता था।
- **अलाउद्दीन** पहला सुल्तान था जिसने भूमि की पैमाइश करा कर लगान वसूल करना आरंभ किया।
- अलाउद्दीन ने एक पृथक विभाग **''दीवान-ए-मुस्तखराज''** की स्थापना की।
- **अलाउद्दीन** ने परंपरागत लगान अधिकारियों (खुत्त, मुकद्दम एवं चौधरी) से लगान वसूल करने का अधिकार छीन लिया था।
- अलाउद्दीन खिलजी ने **उपज का 50 प्रतिशत भूमिकर** (खराज) के रूप में निश्चित किया।
- सल्तनतकालीन शासक अलाउद्दीन खिलजी ने **'सार्वजनिक वितरण प्रणाली'** प्रारंभ की थी।
- अलाउद्दीन के सेनापतियों में **गयासुद्दीन तुगलक** या **गाजी मलिक** तुगलक वंश का प्रथम शासक था।

- दिल्ली सल्तनत के सभी सुल्तानों में मुहम्मद बिन तुगलक (1325-1351) **सर्वाधिक विद्वान** एवं **शिक्षित शासक** था।
- मुहम्मद बिन तुगलक ने कृषि की उन्नति के लिए एक नए विभाग **'दीवान-ए-अमीर-ए-कोही'** की स्थापना की।
- **इब्नबतूता** (1333-1347) मोरक्को मूल का अफ्रीकी यात्री था।
- **रेहला** इनकी प्रसिद्ध पुस्तक है।
- यह **मुहम्मद बिन तुगलक** के कार्यकाल (1325-51) में भारत आया।
- मुहम्मद बिन तुगलक के निधन पर बदायूंनी ने लिखा है, **''सुल्तान को उसकी प्रजा से और प्रजा को अपने सुल्तान से मुक्ति मिल गई।''**
- सल्तनत काल में सर्वप्रथम फिरोज शाह तुगलक ने ही **लोक निर्माण विभाग की स्थापना** की थी।
- सिंचाई की सुविधा के लिए फिरोज तुगलक ने **पांच बड़ी नहरों का निर्माण** कराया तथा 1200 बागों को लगवाया था।
- फिरोज तुगलक उलेमा वर्ग की स्वीकृति के पश्चात **'हक्क-ए-शर्ब'** नामक **सिंचाई कर लगाने वाला दिल्ली का प्रथम सुल्तान** था।
- फिरोज तुगलक द्वारा **ब्राह्मणों पर भी जजिया लगाया** गया था।
- **फिरोज शाह तुगलक** द्वारा अशोक के दो स्तंभों को मेरठ एवं टोपरा (अब अम्बाला जिले में) से दिल्ली लाया गया।
- राज्य के खर्च पर हज की व्यवस्था करने वाला **पहला भारतीय शासक फिरोज तुगलक** था।
- फिरोज शाह तुगलक ने **'दारुल-शफा'** नामक एक **खैराती अस्पताल की स्थापना** भी की और उसमें कुशल हकीम रखे।
- नासिरुद्दीन महमूद के शासनकाल में मध्य-एशिया के महान मंगोल सेनानायक **तैमूर ने भारत पर आक्रमण** (1398 ई.) किया।
- खिलजी वंश का संस्थापक – **जलालुद्दीन फिरोज खिलजी**
- तुगलक वंश का संस्थापक – **गयासुद्दीन तुगलक**
- सैय्यद वंश का संस्थापक – **खिज्र खां**
- लोदी वंश का संस्थापक – **बहलोल लोदी**
- आगरा की स्थापना – **सिकंदर लोदी**
- 1518 ई. में महाराणा सांगा और इब्राहिम लोदी के मध्य **घटोली का युद्ध** हुआ। इस युद्ध में इब्राहिम लोदी पराजित हुआ था।
- नाप का पैमाना **'गज-ए-सिकंदरी'** सिकंदर लोदी के समय में आरंभ किया गया।
- सिकंदर लोदी के समय में गायन विद्या के एक श्रेष्ठ ग्रंथ **'लज्जत-ए-सिकंदरशाही'** की रचना हुई। सिकंदर लोदी शहनाई सुनने का बहुत शौकीन था।
- सिकंदर लोदी **'गुलरुखी'** उपनाम से कविताएं लिखता था।
- सुल्तान सिकंदर ने अनाज से जकात (संपत्ति कर) समाप्त कर दिया।

मुगल साम्राज्य

- बाबर का पूरा नाम **जहीरुद्दीन मोहम्मद बाबर** था।
- **पानीपत का प्रथम युद्ध** 21 अप्रैल, 1526 को बाबर तथा इब्राहिम लोदी के बीच हुआ।
- 27 अप्रैल, 1526 को बाबर ने अपने आप को बादशाह घोषित कर भारत में **मुगल साम्राज्य की नींव** डाली।
- भारत में सर्वप्रथम पानीपत की पहली लड़ाई में **तोपों का प्रयोग** किया गया।
- **खानवा का युद्ध** 17 मार्च, 1527 को बाबर और राणा सांगा के मध्य हुआ था।
- खानवा के युद्ध में बाबर द्वारा **जेहाद का नारा** दिया गया था।
- इस युद्ध में **राणा सांगा** पराजित हुआ।
- इसी युद्ध में विजयश्री मिलने के उपरांत बाबर ने **'गाजी'** (काफिरों को मारने वाला) की उपाधि धारण की।
- **घाघरा का युद्ध** 5 मई, 1529 को बाबर और महमूद लोदी के मध्य हुआ था। इस युद्ध में बाबर विजयी हुआ।
- **बाबर** का यह अंतिम युद्ध था।
- बाबर ने अपनी **आत्मकथा (तुजुक-ए- बाबरी या बाबरनामा)** में जिन दो हिंदू राज्यों का उल्लेख किया है–उनमें एक विजयनगर है तथा दूसरा मेवाड़।
- अकबर ने **अब्दुर्रहीम खानेखाना** द्वारा 'बाबरनामा' का फारसी भाषा में रूपांतरण करवाया।
- **26 जून, 1539 को चौसा के युद्ध** में हुमायूं को शेरशाह से पराजित होना पड़ा, इसी युद्ध में निजाम नामक भिश्ती ने हुमायूं की जान बचाई थी।
- **17 मई, 1540 को कन्नौज या बिलग्राम के युद्ध** में भी हुमायूं को शेरशाह से पराजित होना पड़ा और विवश होकर एक निर्वासित की भांति इधर-उधर भटकना पड़ा।
- **22 जून, 1555 को सरहिंद युद्ध** की विजय ने हुमायूं को एक बार पुनः उसका खोया राज्य वापस दिला दिया।
- **शेरशाह** ने पुराने घिसे-पिटे सिक्कों के स्थान पर शुद्ध सोने, चांदी एवं तांबे के सिक्कों का प्रचलन किया।
- शेरशाह ने शुद्ध **चांदी का रुपया** (178 ग्रेन) तथा **तांबे का दाम** (380 ग्रेन) चलाया।
- रुपया और दाम की **विनिमय दर 1:64** थी।
- **हाजी बेगम** ने अपने पति हुमायूं के मकबरे का निर्माण दिल्ली (दीन पनाह) में 1564 ई. में करवाया था।

- शेरशाह सूरी ने मारवाड़ के युद्ध में राजपूतों के शौर्य पराक्रम से प्रभावित होकर कहा कि **''मात्र एक मुट्ठी बाजरे के चक्कर में मैंने अपना साम्राज्य खो दिया होता।''**
- **शेरशाह का मकबरा**, बिहार के शाहाबाद के सासाराम नामक स्थान पर एक तालाब के बीच ऊंचे चबूतरे पर बना है।
- दिल्ली स्थित पुराना किला के भवनों का निर्माण शेरशाह सूरी ने करवाया था। यहां **किला-ए-कुहना मस्जिद, शेर मंडल** आदि भवन शेरशाह द्वारा बनवाए गए थे।
- कृषकों की मदद के लिए शेरशाह ने **'पट्टा' एवं 'कबूलियत'** की व्यवस्था प्रारंभ की थी।
- अकबर ने **सर्वप्रथम कछवाहा** राजपूतों से वैवाहिक संबंध स्थापित किए थे।
- **बिहारीमल (भारमल)** पहला राजपूत राजा था, जिसने स्वेच्छा से अकबर की अधीनता स्वीकार की।
- **अकबर** ने सूफी मत में अपनी आस्था जताते हुए **चिश्तिया संप्रदाय** को समर्थन दिया था।
- माहम अनगा के पुत्र **अधम खां** को 1562 ई. में अकबर ने स्वयं मारा था, क्योंकि उसने अकबर के प्रधानमंत्री अतगा खां की हत्या कर दी थी।
- **दुर्गावती** गोंडवाना के हिंदू राज्य की योग्य शासिका थीं, अकबर के आक्रमण (1564 ई.) के फलस्वरूप शत्रु से घिर जाने पर इस वीर रानी ने **आत्महत्या कर ली** थी।
- **हल्दी घाटी युद्ध** के पीछे अकबर का मुख्य उद्देश्य राणा प्रताप को अपने अधीन लाना था।
- अकबर ने अप्रैल, 1576 में मानसिंह के नेतृत्व में 5 हजार सैनिकों को **राणा प्रताप के विरुद्ध** भेजा।
- राणा प्रताप की मृत्यु के बाद उनके पुत्र **राणा अमर सिंह** ने 1615 ई. में जहांगीर से संधि की थी।
- **मुगल शासन-व्यवस्था** को स्थापित करने का श्रेय अकबर को ही है।
- अपनी उदार धार्मिक नीति के अंतर्गत **अकबर ने 1562 ई. में दास प्रथा, 1563 ई. में तीर्थयात्रा कर तथा 1564 ई. में जजिया कर को समाप्त** कर दिया।
- अकबर ने 1573 ई. में **घोड़ों को दागने की प्रथा** का पुनः प्रचलन किया, जिससे सेनापति अपने घोड़े न बदल सकें।
- 1574-75 ई. में अकबर ने **मनसबदारी व्यवस्था** के आधार पर सैनिक संगठित किया।

मराठा

- **गुरु अर्जुन देव** तथा **गुरु तेग बहादुर** को तत्कालीन शासकों क्रमशः जहांगीर और औरंगजेब द्वारा मृत्युदंड दिया गया था।
- सिक्खों के **दसवें और अंतिम** गुरु गोविंद सिंह की नांदेड़ (महाराष्ट्र) में एक **अफगान सरदार** द्वारा हत्या कर दी गई थी।
- खालसा पंथ की स्थापना गुरु गोविंद सिंह ने 13 अप्रैल, 1699 को बैसाखी के दिन **'आनंदपुर साहिब'** में की थी।
- **बंदा बहादुर** का मूल नाम लक्ष्मण देव (Lachhman Dev) अथवा लच्छन देव था।
- **शिवाजी** का जन्म शिवनेर के दुर्ग में हुआ था।
- शिवाजी ने 1674 ई. में राज्याभिषेक के बाद **छत्रपति** की उपाधि धारण की।
- **'रायगढ़'** को अपनी राजधानी बनाया।
- 1680 ई. में **शिवाजी की मृत्यु** हो गई।
- शिवाजी मुगलों की कैद से भागने के समय आगरा नगर के **जयपुर भवन** में कैद (नजरबंद) थे।
- शिवाजी ने राज्य के प्रशासन के लिए केंद्रीय स्तर पर **'अष्ट प्रधान'** की व्यवस्था की थी।
- **राजाराम** 1689-1700 ई. तक शाहू के प्रतिनिधि के रूप में मराठों का नेतृत्व करता रहा।
- 1720 ई. में शाहू ने बालाजी विश्वनाथ के बड़े पुत्र **बाजीराव प्रथम** को पेशवा नियुक्त किया।
- मराठा काल में **'सरंजामी प्रथा'** भू-राजस्व प्रशासन से संबंधित थी।
- **पानीपत की तीसरी लड़ाई 14 जनवरी, 1761** को सदाशिव भाऊ के नेतृत्व में मराठा सेना और अहमदशाह अब्दाली के नेतृत्व में अफगान सेना के बीच हुई, जिसमें मराठे बुरी तरह पराजित हुए।
- **अहिल्याबाई** मराठों के होल्कर वंश की शासिका थीं।
- **होल्कर वंश** इंदौर पर काबिज था।
- 1707 ई. में औरंगजेब की मृत्यु के बाद उसके 63 वर्षीय पुत्र **मुअज्जम (शाह आलम)** ने **'बहादुर शाह' (प्रथम)** के नाम से सत्ता संभाली।
- शाहजहां द्वारा बनवाए गए प्रसिद्ध **मयूर सिंहासन** पर बैठने वाला अंतिम मुगल शासक मुहम्मद शाह (1719-1748 ई.) था।
- **शाह आलम द्वितीय** का कार्यकाल 1759 से 1806 ई. तक था। उसका वास्तविक नाम **अली गौहर** था।
- हैदराबाद के स्वतंत्र राज्य की स्थापना 1724 ई. **में चिनकिलिच खां उर्फ निजामुलमुल्क** ने की थी।
- 18वीं शताब्दी का सबसे श्रेष्ठ राजपूत राजा आमेर का **सवाई जयसिंह** था।
- जयसिंह ने दिल्ली, जयपुर, उज्जैन, बनारस और मथुरा में आधुनिक उपकरणों से युक्त **वेधशालाएं** बनवाईं।

ब्रिटिश राज का अभ्युदय एवं प्रथम स्वतंत्रता संग्राम एवं ब्रिटिश राज का सामाजिक आर्थिक प्रभाव

- **वास्कोडिगामा** गुजराती पथ-प्रदर्शक अब्दुल मजीद की सहायता से भारत के पश्चिमी तट पर स्थित बंदरगाह कालीकट पर 20 मई, 1498 को पहुंचा।
- कालीकट के तत्कालीन शासक **जमोरिन** ने वास्कोडिगामा का स्वागत किया।
- 1505 ई. में **फ्रांसिस्को द अल्मीडा** भारत में प्रथम पुर्तगाली वायसराय बनकर आया।
- **अल्फांसो द अल्बुकर्क** ने 1510 ई. में बीजापुरी शासक यूसुफ आदिलशाह से गोवा छीनकर अपने अधिकार में कर लिया।
- भारत में यूरोपीय व्यापारिक कंपनियों के आगमन का क्रम है– **पुर्तगीज, डच, अंग्रेज, डेन और फ्रांसीसी।**
- भारत में **पुर्तगाली** सबसे पहले 1498 ई. में आए तथा सबसे अंत में 1961 ई. में वापस गए।
- भारत के साथ व्यापार के लिए **सर्वप्रथम संयुक्त पूंजी कंपनी** डचों ने आरंभ की।
- डचों ने पुर्तगालियों को पराजित कर आधुनिक कोच्चि में **फोर्ट विलियम्स का निर्माण** कराया था।
- 1599 ई. में इंग्लैंड में एक मर्चेंट एडवेंचर्स नामक दल ने अंग्रेजी ईस्ट इंडिया कंपनी अथवा **'दि गवर्नर एंड कंपनी ऑफ मर्चेंट्स ट्रेडिंग इन टू द ईस्ट इंडीज'** की स्थापना की।
- जहांगीर के शासनकाल में इंग्लिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने सर्वप्रथम 1611 ई. में **मसूलीपट्टनम अथवा मछलीपट्टनम** में एक अस्थायी कारखाना स्थापित किया था।
- **1613 ई. में सूरत** में स्थापित कारखाना अंग्रेजों का प्रथम स्थायी कारखाना था।
- लुई चौदहवें के मंत्री कॉल्बर्ट द्वारा 1664 ई. में फ्रेंच ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना हुई, जिसे **'कंपनी देस इंडेस ओरियंटलेस'** कहा गया।
- **मुर्शिद कुली खां** बंगाल का प्रथम स्वतंत्र सूबेदार था, जिसे मुगल बादशाह द्वारा नियुक्त किया गया था।

भारत में यूरोपीय व्यापारिक कंपनियां

नाम	स्थापना वर्ष	भारत में प्रथम स्थायी फैक्ट्री
पुर्तगाली	1498 ई.	कोचीन (1503)
अंग्रेज	1600 ई.	सूरत (1613)
डच	1602 ई.	मुसलीपट्टनम (1605)
डेनिस	1616 ई.	ट्रानकेबार (1620)
फ्रांसीसी	1664 ई.	सूरत (1668)

- **अलीवर्दी खां** ने यूरोपियों की तुलना मधुमक्खियों से की तथा कहा कि यदि उन्हें न छेड़ा जाए तो वे शहद देंगी और यदि छेड़ा जाए तो वे काट-काट कर मार डालेंगी।
- **ब्लैक होल की घटना** 20 जून, 1756 को सिराजुद्दौला के समय में हुई थी।
- भारतवर्ष में **ब्रिटिश साम्राज्य का संस्थापक** लॉर्ड रॉबर्ट क्लाइव को माना जाता है।
- 22 अक्टूबर, 1764 को अंग्रेजों ने मीर कासिम, अवध के नवाब शुजाउद्दौला तथा दिल्ली के मुगल सम्राट शाहआलम द्वितीय की सम्मिलित सेना को **बक्सर के युद्ध** में परास्त किया।
- **इलाहाबाद की संधि** (अगस्त, 1765) के अनुसार, शाहआलम को अंग्रेजी संरक्षण में ले लिया गया तथा उसे इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में रखा गया।
- 12 अगस्त, 1765 के अपने फरमान द्वारा **मुगल बादशाह शाहआलम द्वितीय** ने कंपनी को बंगाल, बिहार तथा उड़ीसा की दीवानी स्थायी रूप से दे दी, जिसके बदले कंपनी द्वारा सम्राट को **26 लाख रुपये** प्रतिवर्ष पेंशन के रूप में दिया जाना था।
- 1793 ई. में कार्नवालिस ने भू-राजस्व की **स्थायी बंदोबस्त प्रणाली** का प्रारंभ किया, इसे इस्तमरारी, जागीरदारी, मालगुजारी एवं बीसवेदारी आदि भिन्न-भिन्न नामों से भी जाना जाता है।
- **स्थायी बंदोबस्त** के अंतर्गत समूचे ब्रिटिश भारत के क्षेत्रफल का लगभग 19 प्रतिशत हिस्सा शामिल था।
- **रैयतवाड़ी व्यवस्था** के जन्मदाता टॉमस मुनरो और कैप्टन रीड थे।
- जिन्होंने सर्वप्रथम इसे **तमिलनाडु के बारामहल** जिले में लागू किया।
- यह व्यवस्था **मद्रास, बंबई के कुछ हिस्से, पूर्वी बंगाल, असम तथा कुर्ग** (आधुनिक कर्नाटक का एक भाग) में लागू की गई।
- **महलवाड़ी पद्धति** में भू-राजस्व व्यवस्था कृषक के साथ नहीं, बल्कि प्रत्येक ग्राम अथवा महल (जागीर का एक भाग) के साथ स्थापित की जाती थी।
- **महलवाड़ी पद्धति** उ.प्र., मध्य प्रांत तथा पंजाब में (कुछ परिवर्तनों के साथ) लागू की गई, जिसके अंतर्गत कुल ब्रिटिश भारत के भू-क्षेत्र का 30 प्रतिशत हिस्सा शामिल था।
- दादाभाई नौरोजी ने अपने लेखों–**'इंग्लैंड डेब्ट टू इंडिया', 'पावर्टी एंड अन-ब्रिटिश रूल इन इंडिया', 'द वॉन्ट्स एंड मीन्स ऑफ इंडिया' तथा 'ऑन द कॉमर्स ऑफ इंडिया'** के माध्यम से अपने अपवाह सिद्धांत का प्रतिपादन किया।
- **दादाभाई नौरोजी** (1825-1917) ने 1865 ई. में डब्ल्यू. सी. बनर्जी के साथ मिलकर लंदन इंडिया सोसाइटी का गठन किया।
- 1892 ई. में लिबरल पार्टी के टिकट पर ब्रिटिश हाउस ऑफ कॉमन्स के लिए चुने जाने वाले **दादाभाई नौरोजी** पहले भारतीय थे।